हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 1 जून 2026

11 गाय केवल एक पशु नहीं बल्कि हमारी अर्थ ...

12 तम्बाकू ही नहीं, सभी तरह के नशे समाज को ...

खबर संक्षेप

महेश जोशी बने हरियाणा कला परिषद के उपाध्यक्ष

भिवानी। महेश जोशी को हरियाणा कला परिषद के उपाध्यक्ष बनाने पर सांस्कृतिक मंच ने खुशी जाहिर की। महेश जोशी जुझारू व्यक्तित्व के साथ हरियाणवी कला की गहरी समझ भी रखते हैं। उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में रहकर विद्यार्थियों को उनके अधिकार दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इससे पूर्व वे रेडक्रॉस हरियाणा के चेयरमैन भी रह चुके हैं। सांस्कृतिक मंच के संस्थापक सदस्य जगत नारायण ने उम्मीद जताई कि महेश जोशी के कला परिषद के उपाध्यक्ष बनने से हरियाणवी कला एवं संस्कृति को गतिशीलता मिलेगी।

देशी पिस्तौल सहित युवक किया गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी की टीम ने अवैध हथियार रखने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी के मुख्य सिपाही सुनील कुमार अपनी टीम के साथ ऑटो मार्केट भिवानी क्षेत्र में मौजूद थे। इसी दौरान पुलिस टीम को सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति नई चारा मंडी भिवानी के पास कहीं जाने की फिराक में खड़ा है, जिसके पास बिना लाइसेंस का अवैध हथियार है। पुलिस टीम द्वारा बताए गए स्थान पर रेड की गई, जहां से एक व्यक्ति को काबू करने में सफलता हासिल की गई। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान सुधीर पुत्र आजाद निवासी रिठाल जिला रोहतक के रूप में हुई है।

हाईवा चोरी करने वाला चालक गिरफ्तार

तोशाम। तोशाम पुलिस ने स्टोन क्रेशर से हाईवा गाड़ी चोरी करने के मामले में आरोपी चालक को गिरफ्तार कर चोरी की गई गाड़ी बरामद करने में सफलता हासिल की है। तोशाम निवासी राजेश ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि उनके डायमंड फर्म नामक स्टोन क्रेशर पर खड़ी हाईवा गाड़ी को उसका चालक ही चोरी कर ले गया। जांच के दौरान थाना तोशाम के उप निरीक्षक उम्मेद सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 30 मई को ढिगावा मंडी क्षेत्र से आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान रणबीर निवासी ईंदीवाली के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर चोरी की गई हाईवा गाड़ी भी बरामद कर ली है। आरोपित को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जिला कारागार भेज दिया गया।

श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ कलश यात्रा से

भिवानी। विकास नगर स्थित द्वारकाधीश मंदिर में 31 मई से 6 जुन तक आयोजित होने वाली सात दिवसीय श्रीमदभागवत कथा का शुभारंभ महिलाओं ने कलश यात्रा निकाल कर किया। कथा का आयोजन प्राण कृष्ण दास वृन्दावन के सनिध्य में किया जा रहा है। जिसमें कथा का वाचन वृन्दावन धाम से कथा व्यास आचार्य गोविन्द महाराज सांय 3: 30 बजे से 7 बजे तक करेंगे।

सेक्टर 23 के निवासियों को जर्जर सड़कों से मिलेगी मुक्ति

शहर के पॉश इलाके में शुमार है सेक्टर 23

2.5 करोड़ से चकाचक होंगी सड़कें, सफर होगा आसान

नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौक से तिगड़ाना रोड पर रेलवे फाटक तक और गुजरानी रोड पर हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की सीमा तक रोड का भी होगा नवनिर्माण

भिवानी। निर्माण के लिए तोड़ी गई जर्जर सड़क का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के सेक्टर 23 के निवासियों को शीघ्र ही जर्जर सड़कों से निजात मिलने वाली है। डीसी साहिल गुप्ता के निर्देशानुसार नगर परिषद द्वारा सेक्टर 23 की सभी शेष कंडम सड़कों के टेंडर लगा दिए गए हैं। इन सड़कों के नव निर्माण पर करीब ढाई करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी।

इसके अलावा नगर परिषद द्वारा सिटी स्टेशन रोड पर नेता जी सुभाष चंद्र बोस चौक से तिगड़ाना रोड पर रेलवे फाटक तक और सुभाष चौक से गुजरानी रोड का हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की सीमा तक भी नव निर्माण किया जाएगा। यूँ कह सकते हैं कि आने वाले कुछ समय में इस क्षेत्र के निवासियों को बड़ी राहत मिलने वाली है। उल्लेखनीय है कि सेक्टर 23 में अनेक सड़कों की हालत खस्ता बनी हुई है। यहां तक कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ग्रीन बेल्ट से सेक्टर में प्रवेश करने का रास्ता तो पैदल चलने लायक भी नहीं है। यहां पर हर रोज दुपहिया वाहन डगमगा कर गिरते हैं। इससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इससे शहर के पॉश इलाक़े में शुमार सेक्टर 23 की हालत किसी अनअप्रूव्ड कॉलोनी से भी बदतर नजर आती है। सेक्टर 23 सड़कों की माली हालत को सुधारने के लिए अनेक बार लोगों द्वारा जिला प्रशासन के समक्ष मांग रखी जा चुकी है। हलांकि नगर परिषद द्वारा सेक्टर के बीचों बीच जाने वाली एक सड़क का निर्माण करवाया जा चुका है लेकिन अनेक सड़कें ऐसी हैं, जिनकी हालत जर्जर बनी है और मामूली सी बारिश में पानी जमा हो जाता है, जिससे राहगीरों और यहां के निवासियों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

यहां बताना जरूरी है कि डीसी साहिल गुप्ता ने सेक्टर वासियों की समस्याओं को गंभीरता से लिया और नगर परिषद को सेक्टर 23 की सभी जर्जर सड़कों के निर्माण के निर्देश दिए। डीसी के निर्देशानुसार नप द्वारा सभी जर्जर सड़कों का सर्वे करवाया गया और उनकी एस्टीमेट तैयार करवाए गए। डीसी ने बताया कि नगर परिषद द्वारा सेक्टर 23 की सड़कों के निर्माण के टेंडर लगा दिए गए हैं। इन सड़कों के निर्माण पर करीब ढाई करोड रुपये की राशि खर्च की जाएगी।

बॉक्सिंग क्लब से आगे रेलवे फाटक तक सीसी रोड बनेगा: हरबीर सिंह

जिला नगर आयुक्त हरबीर सिंह ने बताया कि सेक्टर 23 की सड़कों के साथ-साथ सिटी रेलवे स्टेशन रोड पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौक से तिगड़ाना रेलवे फाटक तक सड़क का भी नव निर्माण करवाया जाएगा। इस रोड पर बॉक्सिंग क्लब तक तारकोल का रोड बनेगा इसके बीच में डिवाइडर बनेगा और लाइट लगेंगी। बॉक्सिंग क्लब से आगे रेलवे फाटक तक सीसी रोड बनेगा। इस रोड के निर्माण पर भी करीब ढाई करोड रुपये की लागत आएगी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौक से हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की सीमा तक गुजरानी रोड का भी नव निर्माण होगा। इन सभी कार्यों के टेंडर हो चुके हैं। इन दोनों सड़कों हालत भी काफी लंबे समय से दयनीय बनी हुई है। सेक्टर 23 रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन से महेंद्र सिंह श्योराण ने सड़कों के नवनिर्माण के टेंडर पर डीसी साहिल गुप्ता का आभार प्रकट करते हुए कहा है कि इससे सेक्टर वासियों को बहुत बड़ी समस्या से निजात मिलेगी।

लोगों की समस्याओं को गम्भीरता से लें

डीसी साहिल गुप्ता ने बताया कि नागरिकों की सड़क, बिजली, पानी, सीवरेज आदि समस्याओं को गंभीरता से लिया जा रहा है। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करें। इन सब के बीच ही शहरी स्थानीय निकाय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सेक्टर में सड़क, सीवरेज और बिजली व पानी की समस्याओं का समाधान भी प्राथमिकता के साथ करें। सेक्टरों की सड़कों का नवनिर्माण करवाया जा रहा है। शीघ्र ही सेक्टर 23 की सड़कों का भी नव निर्माण होगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकार द्वारा शहीद भगत सिंह चौक से नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौक तक की सड़क का भी जीर्णोद्धार किया जाएगा। सड़कों के नाम निर्माण के बाद नागरिकों को काफी राहत मिलेगी।

भिवानी। वाटर कूलर का उद्घाटन करती नन्ही बालिका, साथ में जेई बिजेश जावला व अन्य। फोटो : हरिभूमि

सामूहिक सहयोग से बदली जनस्वास्थ्य विभाग मंदिर की सूरत, लगाया कूलर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- जनस्वास्थ्य विभाग परिसर में बना मंदिर सामूहिक आस्था का प्रतीक : जेई

जब सरकारी तंत्र और समाज के प्रबुद्ध लोग एक साथ मिलकर किसी नेक कार्य के लिए आगे आते हैं, तो वह स्थान न केवल सुंदर बनता है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन जाता है। ऐसा ही कुछ जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों व समाजसेवियों ने कर दिखाया। विद्यानगर स्थित जनस्वास्थ्य विभाग मंदिर प्रांगण में जनभागीदारी और सेवाभाव का नया अध्याय जुड़ गया है, जहां हाल ही में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आधुनिक वाटर कूलर का उद्घाटन किया। वाटर कूलर विद्या नगर निवासी शकुंतला धर्मपत्नी अजीत सिंह ने भेंट किया। भीषण गर्मी के मौसम में मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए वाटर कूलर बड़े वरदान से कम नहीं है।

इस पूरे बदलाव की कहानी जनवरी 2025 से शुरू हुई थी। जनस्वास्थ्य विभाग के जूनियर इंजीनियर बिजेश कुमार जावला ने अनूठी मिसाल पेश करते हुए अपने सहयोगियों, विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों और विभाग में कार्यरत ठेकेदारों को एक सूत्र में पिरोया। सभी के सामूहिक प्रयासों और अंशदान से लगभग 25 लाख रुपये की लागत से भव्य मंदिर का निर्माण करवाया। जनवरी 2025 में लोकनिर्माण एवं जनस्वास्थ्य विभाग मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने स्वयं अपने कर-कमलों से मंदिर में मूर्ति स्थापना की थी। मंदिर निर्माण के बाद सुविधाओं के विस्तार का सिलसिला थमा नहीं। श्रीकृष्ण कृपा जियो गीता के जिलाध्यक्ष नरेश आहूजा ने मंदिर प्रांगण में शानदार शेड का निर्माण करवाया, ताकि श्रद्धालुओं को छाया मिल सके। अब शकुंतला ने वाटर कूलर भेंट कर इस सेवा यज्ञ में अपनी आहुति दी है। जेई बिजेश कुमार जावला ने कहा कि सरकारी नौकरी का मतलब केवल कागजी काम या ड्यूटी पूरी करना नहीं है, बल्कि समाज के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी होती है। इस अवसर पर जयप्रकाश, पुरूषोत्तम, रामदीन माली, अभिषेक शास्त्री, सुमन जावला, धनपति देवी, ओमप्यारी, सरोज, चंद्रपति, कमला, रोशनी, संतरो, प्रेमलता, माया, बिमला, दिव्या, फूलवती, कुनाल, भूमि, नायरा व कार्तिक आदि मौजूद रहे।

बवानीखेड़ा में बेसहारा पशुओं से लोग परेशान, नहीं हुआ समाधान

दीपक कुमार डुमड़ ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा और आसपास के गांवों में बेसहारा पशुओं की समस्या विकराल रूप ले चुकी है। गाय, सांड और नीलगाय झुंड में सड़कों, बाजारों और खेतों में घूम रहे हैं। हालात ये हैं कि सुबह-शाम घर से निकलना भी लोगों के लिए जोखिम बन गया है। कई सालों से शिकायतों के बावजूद प्रशासन की तरफ से कोई स्थाई समाधान नहीं निकला है। हालांकि बवानीखेड़ा नपा प्रशासन द्वारा कुछ पशुओं को पकड़कर गोशाला भेजा गया लेकिन चंद दिनों में फिर वही तादाद हो गई। मुख्य बाजार, बस स्टैंड रोड और हांसी रोड, शहीद गुलाब सिंह पार्क, बाबा कमाल मंदिर के समीप सहित अन्य स्थानों पर दिनभर 30-40 आवारा पशु बैठे रहते हैं। दुकानदार संजय, चरणदास, बलदेव आदि बताते हैं, ग्राहक की बाइक खड़ी करो तो सांड सींग मार देता है। आवारा पशु कई लोगों को अपना निशाना बना चुके हैं। स्कूल टाइम में बच्चों को निकालना मुश्किल हो जाता है।

किसानों की फसल बर्बाद

शहर तथा आसपास के गांवों के किसानों का कहना है कि आवारा पशुओं के झुंड रात को खेतों में घुसकर फसल चट कर जाते हैं। किसान राममेहर, बलराज, हिम्मत आदि ने बताया, पूरी रात खेत में जागकर रखवाली करते हैं। नुकसान फसल का मुआवजा भी नहीं मिलता। मजबूरी में कई किसान खेतों के चारों तरफ कंटीली तार लगा रहे हैं, जिससे लागत बढ़ गई है। स्थानीय निवासियों ने मांग की है कि शहर के पशुओं को पकड़ने का टैंडर लगाकर नपा कर्मचारियों से न पकड़वाकर ठेकेदार के माध्यम से आवारा पशुओं को ओशाला भेजा जाए। यदि कोई पशु पालक अपने पशुओं को खुले में छोड़ता है तो उस पर जुर्माना तय किया जाए।

प्रशासन के दावे, जमीन पर जीरो

नपा प्रधान सुंदर अत्री का कहना है कि वे शहर की समस्या से वाकिफ हैं। नपा द्वारा पहले टैंडर लगाकर पशुओं को पकड़कर गो शालाओं में भेजा गया था, नपा कर्मचारियों ने भी पूरा सहयोग किया था। उन्होंने पशु पालको सेअनुरोध किया कि पशुओं को छोड़ें नहीं।प

सड़कों पर गोवंश का जमावड़ा, आए दिन हो रहे हादसे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

नगर परिषद प्रशासन द्वारा समय-समय पर बेसहारा पशु पकड़ो अभियान चलाया जाता हैं, इसके बावजूद अक्सर शहर की सड़कों पर बेसहारा गोवंश का जमावड़ा रहता हैं, जो लोगों के लिए आफत बने हुए हैं।

सरकुलर रोड व बाजार की सड़कों पर घूमते व खड़े गोवंश अचानक वाहनों को टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर देते हैं और राहगीरों को भी चोटिल करते हैं। सड़कों पर गोवंश के जमावड़े से आए दिन लोग हादसों का शिकार होते हैं और कई लोग जान तक भी गवां चुके हैं। इसके बावजूद सरकार व प्रशासन इस मुद्दे को लेकर गंभीर नहीं हैं। उल्लेखनीय हैं कि शहर की चौक-चौराहों व सड़कों पर बेसहारा गोवंश का जमावड़ा लगा रहता है। बाजार में सड़कों पर गोवंश घूमता रहता हैं या फिर सड़क के बीच बैठ जाते हैं, जो कभी भी हादसे को अंजाम दे देते हैं। इसके साथ ही सबसे बड़ी समस्या रात को होती हैं, जब गोवंश सड़क के बीच खड़े या बैठे जाते हैं वो रात के समय ये नजर नहीं आते, जिनसे दुर्घटनाएं घटती हैं। शहर में एक नंदीशाला सहित दर्जनभर गोशालाएं संचालित हैं।

इसके बावजूद बहुत अधिक संख्या में गोवंश सड़कों पर घूमता हैं। वहीं दूसरी ओर नगर परिषद शहर को कैटल फ्री होने का दावा करती हैं, लेकिन हकीकत इसके विपरित हैं। नप समय-समय पर पशु पकड़ो अभियान चलाकर पशुओं को पकड़ा जाता है, इसके बावजूद शहर की सड़कों से गोवंश की संख्या नहीं घट रही। गोवंश की वजह से अनेक बार हादसे हो चुके और कई लोग जान तक गवां चुके हैं।

एकमुश्त निपटान योजना-2026 का लाभ उठाएं व्यापारी: डीईटीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा सरकार ने 120 दिनों के लिए शुरू की एकमुश्त निपटान योजना

उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त (डीईटीसी) जगबीर सिंह ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा वर्ष 2025 में छोटे व्यापारियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई एकमुश्त निपटान योजना को व्यापारियों का अभूतपूर्व समर्थन मिला था। इस योजना का लाभ प्रदेश के 1,15,223 व्यापारियों ने उठाया। योजना की इसी सफलता को देखते हुए राज्य सरकार ने एक बार फिर पुराने कर बकायों के निपटान तथा विभिन्न न्यायालयों एवं अपीलीय मंचों पर लंबित मामलों के समाधान के लिए एकमुश्त निपटान योजना-2026 शुरू की है। डीईटीसी जगबीर सिंह ने बताया कि सरकार ने 1 जून 2026 से 28 सितंबर 2026 तक 120 दिनों के लिए एकमुश्त निपटान योजना-2026 लागू की है। इस योजना के माध्यम से सात कराधान अधिनियमों के अंतर्गत निर्धारित बकाया कर राशि के निपटान का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि यदि किसी करदाता पर किसी संबंधित अधिनियम के अंतर्गत किसी एक वर्ष में एक लाख रुपये तक का कर बकाया है तो उसे योजना के लिए अलग से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी।

तोशाम पुलिस को मिली सफलता

दो आरोपी किए गिरफ्तार, 6.72 ग्राम हेरोइन बरामद, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया

थाना तोशाम पुलिस ने दो आरोपियों को मादक पदार्थ सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना तोशाम के अंतर्गत पुलिस चौकी कैरु के एएसआई राजेश अपनी टीम के साथ गश्त व अपराध जांच ड्यूटी के दौरान शिव चौक कैरु में मौजूद थे। इसी दौरान पुलिस टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि गांव धारवानबास से कैरु की तरफ जाने वाले रास्ते पर एक मोटरसाइकिल पर दो युवक खड़े हैं, जिनके पास मादक पदार्थ हेरोइन है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत गांव धारवानबास में रेड कार्रवाई करते हुए दोनों युवकों को काबू कर लिया।

हांसी क्षेत्र से लाए थे खरीदकर

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुनील पुत्र मदन पाल निवासी धारवानबास तथा रोहित पुत्र होता राम निवासी धारवानबास, जिला भिवानी के रूप में हुई है। आरोपियों की मोटरसाइकिल को पुलिस कब्जे में लेकर उनके पास से 6.72 ग्राम मादक पदार्थ हेरोइन बरामद की गई। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी सुनील ने बताया कि वह खेती-बाड़ी का कार्य करता है तथा पूर्व में एनडीपीएस एक्ट के मामले में जेल जा चुका है और करीब एक सप्ताह पहले ही जेल से बाहर आया था। वहीं आरोपी रोहित मजदूरी का कार्य करता है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे उक्त मादक पदार्थ हांसी क्षेत्र से खरीदकर लाए थे।

सार्वजनिक कार्यों के लिए नप के खजाने लबालब : भवानी

कृष्णा कॉलोनी में बनेगा प्रवेश द्वार, केपीएम नाम से होगा चौक

केपीएम महासभा के नवनिर्वाचित प्रधान बृजेश महतानी को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रविवार को कृष्णा कॉलोनी स्थित केपीएम महासभा के कार्यालय में समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने कृष्णा कॉलोनी में प्रवेश द्वार तथा केपीएम नाम से चौक बनाने की घोषणा की। प्रवेश द्वार व केपीएम चौक बनने के बाद शहर की सुंदरता को पंख लग जाएंगे। इन कार्यो को जल्द ही शुरू करवाया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि शहर के मौजिज लोग सार्वजनिक कार्य लेकर आए। नप उन कार्यो को तत्काल पूरा करवाएगी।

विकास कार्यों के लिए नप के खजाने लबालब है। शहर के विकास कार्यो में धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। इससे पूर्व केपीएम महासभा द्वारा नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह को स्मृति चिंह देकर सम्मानित किया। इसी दौरान महासभा के नवनिर्वाचित प्रधान बृजेश महतानी को फूलों की माला व स्मृति चिंह देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान नवनिर्वाचित प्रधान बृजेश महतानी ने महासभा की मजबूती के लिए अभियान चलाने तथा सदस्यता अभियान चलाने का आहवान किया। कार्यक्रम के संयोजक हर्षदीप डुडेजा व कैलाश चौधरी ने वरिष्ठ उपप्रधान नरेश चांदना और सचिव तरसेम चौधरी को शॉला ओढाकर सम्मानित किया। इस मौके पर राजकुमार डुडेजा, दर्शन कुमार मिढा, नरेश आहुजा, राधा कृष्ण चावला, विनोद मिर्ग, पदम सिंह चौहान, संजय कामरा, चंद्रप्रकाश और आत्मप्रकाश टुटेजा के अलावा अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि को सम्मानित करते हुए।

जल्द शुरू होगा निर्माण

नगरपरिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि आज केपीएम महासभा के कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शामिल हुए थे। इस दौरान महासभा के पदाधिकारियों ने कृष्णा कॉलोनी में प्रवेश द्वार तथा केपीएम नाम से चौक बनाए जाने की मांग की। इस पर उन्होंने मंच से दोनों मांग पूरी करवाए जाने का भरोसा दिलाया है। प्रवेश द्वार तथा केपीएम नाम से जल्द ही चौक का निर्माण कार्य शुरू करवा दिया जाएगा। उन्होंने कहा जनहित के कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है।

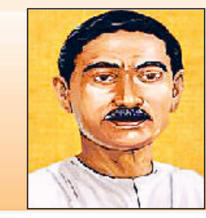

जो शिक्षा हमें निर्बलों को सताने के लिए तैयार करे, जो हमें धरती और धन का ग़ुलाम बनाए, जो हमें भोग-विलास में डुबाए, जो हमें दूसरों का ख़ून पीकर मोटा होने का इच्छुक बनाए, वह शिक्षा नहीं भ्रष्टता है।
- मुंशी प्रेमचंद

कहानी
पवन गहलोत

आंखों की जलन

जनवरी महीने की ठिठुरती ठण्ड में सुबह पांच बजे ही वह शहर के चौराहे के पुल के नीचे खम्भे के पास अपने ठिकाने पर पहुंच गया। वहां पहुंचने के बाद जब वह अपने कंधे पर टंगा औजारों का थैला जमीन पर रखने के लिए झुका तो जमीन पर बहुत सारे बीड़ी के टुकड़ों और माचिस की जली हुई तीलियों को देखकर वह अचरज में पड़ गया। अपने कंधों को उचकाते हुए वह सोचने लगा कि ये इतने सारे बीड़ी के टुकड़े आखिर यहां पर आए कैसे। दिमाग पर काफी जोर डालने के बाद भी वह कुछ भी याद नहीं कर पा रहा था। बीड़ी के टुकड़ों और माचिस की जली हुई तीलियों के अलावा वहां पर प्लास्टिक की कुछ थैलियां भी इकट्ठा हो गई थी। ऐसा शायद पिछली रात आंधी आने के कारण हुआ होगा - वह अनुमान लगाने लगा।

अपने ठिकाने पर फैले उस ढेर सारे कूड़े को देखकर वह एक पल के लिए हौले से मुस्कुराया और धीमे-धीमे कदमों से सड़क के किनारे की ओर चल दिया। वहां पर एक दुकान के सामने नाली के ढक्कन की ओट में रखी एक टूटी-सी झाड़ू को उठाया और फिर से धीमे-धीमे कदमों से चलते हुए अपने ठिकाने पर वापस आ गया। असल में कुछ तिनकों का गुच्छा भर वह झाड़ू खुद कूड़े जैसी लग रही थी। लेकिन उसने उसे कई दिनों से कूड़ा साफ करने के लिए संभालकर रखा हुआ था। उस टूटी-सी झाड़ू से जमीन की सफाई करने में उसे लगभग पैंतीस-चालीस मिनट लग गए। भले ही देरी से हो, लेकिन लगातार जुटे रहने से काम आखिर हो ही जाता है। झाड़ू लगाने के बाद इकट्ठे हुए कचरे को उठाकर वह सड़क के दूसरे किनारे पर रखे कूड़ेदान में डाल आया। बुढ़ापे में कमजोर शरीर होने के कारण वह काफी थक गया था। क्योंकि उसकी दुकानदारी का समय शुरू होने वाला था इसलिए सफाई करने के बाद उसने सोचा कि अगर वह झाड़ू को वापस सड़क के किनारे दुकान के सामने नाली के ढक्कन की ओट में रखने जाएगा तो उसे काफी समय लग जाएगा। इसलिए उसने उस तिनकों वाली झाड़ू को वहीं खम्भे के पास ही रख दिया। उसका कुर्ता पसीने से लगभग पूरा भीग चुका था। अपने शरीर से चिपके पसीने से तर कुर्ते को उसने अपने सीने से थोड़ा ऊपर उठाया। जब उसमें से सुबह की ठण्डी-ठण्डी हवा गुजरी तो उसने थोड़ी राहत की सांस ली। इसके बाद अपनी मुड़ी हुई कमर पर दोनों हाथ रखकर उसे सीधा करने का प्रयास करने लगा। ऐसा करने से उसे थोड़ा-सा आराम मिलने का आभास हुआ। इसके बाद अपने थैले से उसने मोटे-से कपड़े का एक टुकड़ा निकाला और उसे वहीं खम्भे के साथ बिछा दिया।

इसके बाद अपने थैले से एक-एक करके औजारों और अन्य सामानों को निकाला और उन्हें वहीं पर ईंटों के बने हुए एक छोटे-से चबूतरे पर तरतीब के साथ खंभे से अपनी पीठ टिकाकर उस मोटे-से कपड़े के ऊपर बैठ गया। अपनी

> स्कूल जाने वाले बच्चे जब उसकी तरफ देखते तो वह भी मुस्कुराते हुए उनकी ओर देखता। कभी-कभार कोई बच्चा जब उसकी ओर हाथ हिलाता तो वह भी हाथ हिलाते हुए आत्मिक संतुष्टि से भर जाता।

जूते मरम्मत एवं पॉलिश की दुकान सजाने के बाद उसने ऊपर आसमान की ओर देखना चाहा, लेकिन पुल होने की वजह से उसे आसमान नजर नहीं आया। वैसे तो वह एक व्यस्त चौराहा था, लेकिन अभी लोगों का आना-जाना शुरू नहीं हुआ था। वह बड़े शांत मन से ग्राहकों का इंतजार करने लगा। अपनी जगह पर बैठा वह सुबह-सुबह सड़क से गुजरने वाले लोगों को देख रहा था।

स्कूल जाने वाले बच्चे जब उसकी तरफ देखते तो वह भी मुस्कुराते हुए उनकी ओर देखता। कभी-कभार स्कूल की किसी बस में बैठा कोई बच्चा जब उसकी ओर हाथ हिलाता तो बदले में उसकी ओर हाथ हिलाते हुए वह आत्मिक संतुष्टि से भर जाता। कुछ ही देर में उसे अपनी आंखों में जलन-सी महसूस हुई। पिछले कुछ दिनों से उसकी आंखों में कुछ तकलीफ है। कब से और किस वजह से है, इस बारे में उसे कुछ भी नहीं पता था। वह बार-बार याद करने का प्रयास करता कि आखिर उसकी आंखों को हुआ क्या है, लेकिन काफी सोचने पर भी वह सही ढंग से कुछ भी याद नहीं कर पा रहा था। दिमाग पर ज्यादा जोर ना डालने की मंशा से उसने इस बारे में सोचना छोड़ दिया और फिर से ग्राहकों का इंतजार करने लगा। लेकिन मन भला शांत कैसे रह सकता है। हमेशा कुछ-न-कुछ सोचते रहना ही तो स्वभाव है मन का। विचारों की गलियों में घूमते हुए उसे कल वाले ग्राहक का ख्याल आया। कल उसके पास एक व्यक्ति अपने जूतों की मरम्मत करवाने के लिए आया था। वह बिल्कुल भी जल्दी में नहीं था। उसे याद आया कि जब उसने उससे पूछा कि जूते कितनी देर में वापस चाहिए, तब उसने कहा था कि काम सही होना चाहिए, समय चाहे कितना भी लग जाए। इसके बाद जब तक वह उसके जूतों की मरम्मत करता रहा, तब तक वह लगातार बीड़ी पीता रहा। उसके बिल्कुल पास बैठे होने तथा हवा का रुख उसी की ओर होने के कारण बीड़ी का धुआं सीधे उसके चेहरे की ओर आ रहा था। अब क्योंकि वह ग्राहक था इसलिए उसने उसे कुछ नहीं कहा और चुपचाप उस तेज धुएं को झेलता रहा। एक पल के लिए उसने सोचा कि काश वह उसे बीड़ी पीने के लिए मना कर देता, क्योंकि जब से उसने वह धुआं झेला है, तब से उसे आंखों में लगातार जलन महसूस हो रही है। इसके साथ ही उसे सब कुछ धुंधला-सा नजर आने लगा है। फिर अगले ही पल उसके मन में ख्याल आया कि - नहीं ऐसा सोचना गलत है, ग्राहक भगवान होता है। हमें उसकी किसी भी बात का बुरा नहीं मानना चाहिए। विचारों के आकाश में विचरण हुए उसे पता ही नहीं चला कि कब सूरज ने अपनी किरणें धरती की ओर उछाल दी। उसने सोचा कि अब तो दिन चढ़ने लगा है कोई न कोई ग्राहक तो अब तक आ ही जाना चाहिए था। सुबह-सुबह अच्छा काम मिलने की मंशा से वह अपने ठिकाने पर सुबह जल्दी पहुंच जाता था, लेकिन अक्सर दोपहर तक भी उसको कोई ग्राहक नहीं मिलता। असल में अधिकतर लोगों को उसकी उम्र देख कर ऐसा लगता था कि वह अपने काम को सही ढंग से नहीं कर पाएगा।

सुबह के दस बज चुके थे। ग्राहकों के इंतजार में, अब तक कोई भी ग्राहक क्यों नहीं आया है, क्या सभी कंपनियां अच्छी गुणवत्ता के जूते बनाने लगी हैं या फिर आजकल लोगों ने जूतों की मरम्मत करवाना ही छोड़ दिया है - इसी तरह के तमाम विचारों की उधेड़बुन उसके मन में चलती रही। कुछ देर बाद जब उसे थोड़ी प्यास लगी तो वह पानी पीने के लिए अपनी जगह से उठ खड़ा हुआ और कुछ ही दूरी पर सड़क के किनारे लगी टंकी के पास जा पहुंचा। अपनी

> एक पल के लिए उसने सोचा कि काश वह उसे बीड़ी पीने के लिए मना कर देता, क्योंकि जब से उसने वह धुआं झेला है, तब से उसे आंखों में लगातार जलन महसूस हो रही है।

प्यास बुझाने के बाद लौटते समय वह फिर से ख्यालों की दुनिया में खो गया। उसे याद आया कि लगभग दो हफ्ते पहले जब वह पानी पीकर लौट रहा था तो उसे वहां पर एक मक्की बेचने वाला उदास खड़ा दिखाई दिया। पूछने पर उसने बताया कि पुलिस वाले ने सड़क के किनारे खड़ा होने पर उस पर जुर्माना लगा दिया था। अब जगह बदलने पर उसकी दुकानदारी में घाटा होगा। इस पर उसने बड़े अधिकारपूर्वक उससे अपने ठिकाने के पास खड़ा होने के लिए कह दिया था। उसने उसे बताया कि जिस खंबे के पास वह अपना ठिकाना बनाए हुए है, उसके दूसरी ओर की जगह काफी अच्छी है। वहां पर वह आसानी से खड़ा हो सकता है और वहां उसे कोई परेशान भी नहीं करेगा।

उसकी बात मानकर वह मक्की बेचने वाला उसके पास आ गया और खंभे के दूसरी ओर उसने अपना ठिकाना बना लिया। वह पूरे दिन मक्की बेचता। ग्राहक उससे हमेशा गर्म मक्की की मांग करते। ग्राहकों की मांग पर वह अपनी छोटी-सी भट्ठी पर मक्की गर्म करने लगता। जब वह मक्की को भट्ठी पर गर्म करता तो भट्ठी से उठने वाला धुआं खंभे के दूसरी ओर उड़ने लगता। पानी पीने के बाद अपने ठिकाने पर लौटते समय उसने खंभे की दूसरी ओर देखा तो वहां पर वह मक्की बेचने वाला अभी तक भी नहीं पहुंचा था। वह अपने ठिकाने पर आकर बैठा ही था कि उसे अपनी आंखों में फिर से जलन महसूस हुई। अपनी आंखों को मलते हुए वह फिर से विचारों की दुनिया में खो गया।

उधर वह अपने विचारों में खोया हुआ था, इधर वह मक्की बेचने वाला अपने नए ठिकाने पर पहुंच चुका था। कुछ ही देर में उसे एक व्यक्ति उसी की ओर आता हुआ दिखाई दिया। उस व्यक्ति को उम्मीद भरी नजरों से निहारते हुए उसने जूते मरम्मत के औजारों को देखकर मन ही मन सोचा कि - चलो बोहनी तो हुई। अगर दिन भर में आठ-दस ग्राहक भी आ जाएं तो मेरा काम आसानी से चल जाए। सोचते हुए वह जूते मरम्मत के औजारों की ओर देखने लगा। लेकिन उसे सब बहुत आश्चर्य हुआ, जब वह आदमी उसकी और ना ठहरकर उस मक्की वाले के पास जाकर रुक गया। उसने उस मक्की वाले से एक ताजा भुनी हुई मक्की मांगी। उसने मक्की को छोटी-सी भट्ठी पर रखा और भट्ठी को सुलगाने लगा। भट्ठी से उड़ता हुआ धुआं खंभे के दूसरी ओर पहुंच रहा था।

खंभे के दूसरी ओर बैठा वह बुजुर्ग व्यक्ति अपनी आंखों को मलते हुए सोच रहा था - चलो कोई बात नहीं, मेरी न सही कम से कम साथ वाले की बोहनी तो हुई। धुएं के कारण उसकी आंखों की जलन बढ़ने लगी थी। अपनी आंखों को मलते हुए वह याद करने का प्रयास करते हुए मन ही मन बुदबुदा रहा था - 'समझ में नहीं आ रहा कि आंखों में यह कम्बख्त जलन आखिर कब से होने लगी है....'

पुस्तक समीक्षा

पठनीय है डिजिटल पेरेंट्स परफेक्ट नहीं, प्रेजेंट बनें

समीक्षक
सेंट्रल डेस्क

पुस्तक 'डिजिटल पेरेंट्स : परफेक्ट नहीं, प्रेजेंट बनें-के लेखक मूल रूप से एक शिक्षक हैं। शिक्षा के क्षेत्र में अपने गहरे अनुभव के आधार पर , वे आधुनिक पेरेंटिंग की चुनौतियों को करीब से समझते हैं। लेखक का उद्देश्य माता- पिता और बच्चों के उस टूटते हुए पुल को फिर से बनाना है, जिसे डिजिटल दुनिया ने कमजोर कर दिया है। यह पुस्तक 10 डिग्री की डिजिटल सुरंग से 180 डिग्री के खुले आसमान तक की पेरेंटिंग पर ध्यान आकर्षित करती है। ड्रीम बुक पब्लिशिंग द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक आजकल के युवाओं की कृतिम एल्गोरिदम पर प्रकाश डालती है। लेखक के अनुसार पंद्रह सेकंड की रील्स ने युवाओं की एकाग्रता का अकाल ला दिया है। सोशल मीडियाके हजारों मित्रों के बीच भी हमारा बच्चा एक वास्तविक अकेलेपन से जूझ रहा है। इस पुस्तक को मुख्य रूप से तीन भागों में बांटा गया है। प्रथम- 10 डिग्री डिजिटल टनल, द्वितीय- 180 डिग्री ब्रांड विजन और तृतीय 10 डिग्री की डिजिटल सुरंग से 180 डिग्री ब्रांड विजन तक। यह किताब पेरेंटिंग की कोई ररूलबुकर नहीं है, क्योंकि सच तो यह है किपरफेक्ट पेरेंट जैसी कोई चीज इस दुनिया में होती ही नहीं है।

संदीप विद्यार्थी
लेखक

यह किताब एक जागृति है। यह इस बात की याद दिलाती है कि हमारे बच्चों को परफेक्ट माता-पिता नहीं चाहिए; उन्हें प्रेजेंट (उपस्थित) माता-पिता चाहिए। उन्हें ऐसा माता-पिता चाहिए जो डिनर टेबल पर अपना फोन किनारे रखकर उनकी आँखों में देख सके, जो मल्टी टास्किंग के इस भ्रम से बाहर निकलकर उन्हें अपना बिना बंटा हुआ समय दे सके। इस किताब के पन्नों में आप अपनी ही कहानी पाएंगे। यह पुस्तक आपको सोच पर मजबूर करेगी कि कहीं आपकी परवरिश आपके अपने 'डर' से परे नहीं है? यह आपको सिखाएगी कि कैसे बच्चों को छोटे-छोटे संघर्ष करने दें ताकि उनका असली आत्म-सम्मान विकसित हो सके। पुस्तक में लेखक ने वर्तमान में प्रचलित अंग्रेजी के आम बोलचाल वाले शब्दों का इस्तेमाल किया है। ऐसा शायद पाठकों की सुविधा के लिए ही किया गया है ताकि वर्तमान पीढ़ी हिन्दी के कठिन और बोझिल शब्दों के अर्थ के फेर में न पड़े और आसानी से लेखन के मर्म को समझ पाए। पुस्तक करीब 240 पृष्ठों में है। इसके बावजूद पाठकों को बांधे रखने में सक्षम जान पड़ती है। हर विषय अभिभावकों और न्यू जेनरेशन के लिए एक मार्गदर्शिका का काम करता है और उन्हें अपनी सोच में बदलाव लाने को प्रेरित करता है। कुल मिलाकर लेखक का यह प्रयास काफी सराहनीय बन पड़ा है।

कवि कॉर्नर

कविता | आनंद शर्मा

उसकी मोहब्बत

उसकी मोहब्बत
तेज बारिश-सी
और मैं...
शहरों की सड़कों-सा
डूबता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
कुटिल राजनीति-सी
और मैं...
भोली जनता-सा लुटता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
गंगा नदी-सी,
और मैं...
कूड़ा करकट समाता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
प्रगति-सी
और मैं...
पेड़ों-सा कटता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
महंगाई-सी
और मैं...
गरीब का बजट सिकुड़ता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
आधुनिकता-सी,
और मैं...
संस्कारों-सा मरता ही रहा।

कविता | सपना

जो चाहा, वो मिला नहीं

जो चाहा वो मिला नहीं ।
जो मिला वो चाहा नहीं ।।

अजीब सी कश्मकश है ये जिंदगी ।
कुछ खोया भी नहीं और पाया भी नहीं ।।

ताउम्र गुजर गई समेटने में।
लेकिन जाएगा साथ कुछ भी नहीं ।।

न जाने कितनी उम्मीदें पालें हुए हैं सब ।
जबकि भरोसा अगले पल का भी नहीं ।।

जिस कल की सोच में आज डूबे हैं सब ।
उस कल मेंशायद हम हैंभी नहीं ।।

किस "मैं" के अहं में है इंसान ।
औक़ात जिसकी एक रत्ती बराबर भी नहीं ।।

गैस सिलेंडर अब नौकर नहीं, घर का दामाद

व्यंग्य | कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

पुराने जमाने में सिलेंडर रसोई के एक अंधेरे कोने में चुपचाप पड़ा रहता था। उसकी हैसियत घर के उस पुराने नौकर जैसी थी, जो बिना शिकायत किए सालों-साल सेवा करता रहता है। उस वक्त गृहिणियां उस पर पैर रखकर ऊंचे डिब्बे उतारती थीं या कभी-कभी उस पर बेलन पटककर अपनी नाराजगी जाहिर कर दिया करती थीं। लेकिन वक्त बदला और वक्त के साथ सिलेंडर की 'किस्मत' ऐसी चमकी कि आज वह रसोई का 'अन्नदाता' कम और ड्राइंग रूम का 'दामाद' ज्यादा नजर आने लगा है। उसकी कीमत और इज्जत अब उस मुकाम पर पहुंच गई है जहां उसे 'रिफिल' कराते समय घर के बुजुर्ग वैसे ही भावुक हो जाते हैं, जैसे बिटिया की विदाई पर होते हैं।

विदाई की रस्म और स्वागत का उल्लास

जब सिलेंडर खाली होता है, तो घर के माहौल में एक अजीब सी 'अघोषित शोक सभा' छा जाती है। गृहिणी हिला-हिलाकर उसकी अंतिम सांसें चेक करती है और जब वह जवाब दे जाता है, तो घर का मुखिया उसे दरवाजे तक ऐसे छोड़ने जाता है, जैसे किसी प्रियजन को रेलवे स्टेशन पर विदा करने जा रहा हो। वहीं दूसरी ओर, जब नया 'भरा हुआ' सिलेंडर घर की दहलीज पर कदम रखता है, तो घर के बच्चों

से लेकर बड़ों तक के चेहरे खिल जाते हैं। डिलीवरी वाले भैया का स्वागत किसी 'राजदूत' की तरह किया जाता है। उन्हें चाय-पानी के लिए ऐसे पूछा जाता है, मानो वह सिलेंडर नहीं बल्कि घर के लिए कोई बहुत बड़ा 'शुभ समाचार' लेकर आए हों। मोहल्ले वाले भी तिरछी नजरों से देखते हैं कि— 'वाह! इनके घर तो नया सिलेंडर आया है, जरूर कोई बड़ा हाथ मारा होगा।'

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, 'तिजोरी' का मोह

आज के दौर में लोग सिलेंडर को किचन में नहीं, बल्कि उसे अपनी 'तिजोरी' या बेडरूम के पास रखते हैं। डर यह नहीं कि कोई उसे उठा ले जाएगा, डर यह है कि कहीं उसकी कीमती गैस 'लीक' होकर पड़ोसी की नाक तक न पहुंच जाए। पड़ोसी भी अब कम चालाक नहीं हैं। पहले वे खुशबू सूंघकर बताते थे कि— 'आज तो आपके घर शाही पनीर बना है।' लेकिन अब अगर गैस की हल्की सी गंध भी पड़ोस में चली जाए, तो घर का मालिक फौरन खिड़कियां बंद कर लेता है, कहीं पड़ोसी उस गंध के जरिए 'फ्री में' गैस का आनंद न ले ले। लोग अब सब्जी में तड़का लगाने से पहले घर के दरवाजे ऐसे बंद करते हैं, मानो कोई 'गोपनीय परमाणु परीक्षण' करने जा रहे हों। वह दिन अब दूर नहीं लगता जब शादियों में दहेज के रूप में 'फॉर्च्यूनर' या 'प्लॉट' की जगह '5 भरे हुए सिलेंडर' मांगे जाएंगे। मध्यम वर्ग के घरों में अब सिलेंडर ड्राइंग रूम के सोफे के बगल में सजाकर रखा जाने लगा है। मेहमान जब घर आते हैं, तो मेजबान गर्व से सिलेंडर की ओर इशारा करते हुए कहता है— 'देख रहे हैं? एकदम 'ब्रांड न्यू' और फुल रिफिल है! कल ही ब्लैक में... मेरा मतलब है, बड़ी सिफारिश के बाद मिला है।'

लोग अब सोने के गहनों की फोटो इंस्टाग्राम पर नहीं डालते, बल्कि भरे हुए सिलेंडर के साथ सेल्फी लेकर 'फीलिंग रिच' का स्टेटस लगाते हैं।

बजट में 'आग' लगाता मेहमान

निष्कर्ष यह है कि सिलेंडर अब सिर्फ रसोई की आग नहीं जलाता, बल्कि वह मध्यम वर्ग के मासिक बजट में भी 'आग' लगाता है। यह दुनिया का वह इकलौता मेहमान है जिसके घर आने पर 'खुशी' (खाना बनने की) और जेब खाली होने पर 'गम', दोनों एक साथ मिलते हैं। सिलेंडर की बढ़ती कीमत ने इसे एक ऐसी 'चल-अचल संपत्ति' बना दिया है, जिसे रिफिल कराना अब किसी निवेश से कम नहीं लगता।

आज का आम आदमी बस इसी दुआ में लगा रहता है कि- 'हे प्रभु! चाहे मेरी सेहत का मीटर धीमा चले, पर इस सिलेंडर की सुई जरा धीरे-धीरे नीचे गिरे।'

मोटिवेशनल

सफल दिखने की दौड़ में खुश रहना भूल गए लोग

डॉ. रोहित बंसल
मोटिवेशनल स्पीकर

आजकल हर इंसान चाहता है कि बाकी सभी उसे सफल, धनवान और परफेक्ट समझें। अपनी असल जिंदगी पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, वे अपनी 'ऑनलाइन इमेज' पर ज्यादा ध्यान देते हैं। कुछ लोग अपनी विदेश यात्रा या महंगी कार के बारे में बताते हैं तो दूसरे अपनी आलीशान जीवनशैली को दिखाते हैं। समाज का मानना हो गया है कि जितना अधिक आप दिखावा करेंगे, उतना अधिक आप सफल होंगे। हालांकि,सच्चाई इसके विपरीत है। बाहर से मुस्कुराते हुए चेहरे अंदर तनाव, मानसिक थकान और अकेलापन महसूस करते हैं। सफलता का पैमाना भी बदल गया है ,क्योंकि अधिक लोग इसे आर्थिक मापदंडों से देखने लगे हैं। लोग अपनी आवश्यकताओं को नजरअंदाज करते हैं और दूसरों को खुश करने के लिए जीते हैं। यही कारण है कि अधिक लोग अपने आप की तुलना दूसरों से करते हैं। लोग भूल जाते हैं कि सोशल मीडिया पूरी सच्चाई नहीं है। लोग खुशियों वाली बातें पोस्ट करते हैं। कोई भी उदास बातें नहीं पोस्ट करता। लदर्शक उस बनावटी 'खुशी' को महत्व देते हैं और दबाव महसूस करते हैं। इस मानसिक दबाव का सबसे ज्यादा बुरा असर युवाओं और बच्चों पर पड़ रहा है। वे सबसे बेहतर बनने की इच्छा रखते हैं। वे सोचते हैं कि यदि वे नया फोन खरीदते हैं या नाम ब्रांड कपड़े खरीदते हैं, तो उन्हें सफल माना जाएगा। जब लोग अपनी वास्तविक स्थिति को नियंत्रित नहीं कर पाते तो वो असुरक्षित हो जाते है। वे बनावटी खुशी दिखाते रहते हैं और खुद के साथ खुश रहने का तरीका भी भूल जाते हैं। वास्तव में खुशी और सफलता के बीच रिश्ता उतना सीधा नहीं, जितना समाज मान बैठा है। कई बार जिसे सफल माना जाता है, वह उदास हो सकता है और जो सरल जीवन जी रहा है, वह खुश हो सकता है। खुशियां वास्तव में समाज के विश्वास के विपरीत हैं। खुशियों का संबंध बाहरी दिखावे से नहीं हैं बल्कि मानसिक शांति और आत्म संतुष्टि से है। जो लोग दूसरों की राय की अत्यधिक चिंता करते हैं, वे हमेशा अपने मन की बात को सुनने में असमर्थ रहते हैं। सबसे अच्छी सफलता वह अवस्था है जिसमें खुशी और सफलता साथ रह सकते हैं।

लघु कथा

सन्तोष सबसे बड़ा धन!

सुनील मिनोचा
कहानीकार

कन्हैयालाल व उनकी पत्नी सरकारी नौकरी से सेवानिवृत्त होकर शहर में ही अपने मकान में रहने लगे। एक बच्चा बाहर सेटल हो चुका था। लड़कियां विवाह पश्चात सैटल थीं। यूं सुबह- शाम पत्नी के साथ पार्क में सैर कर, मन को शांत रखते थे। अपनी ढलती आयु में इक्का- दुक्का काम समीप की मार्केट में स्वयं पैदल ही कर लेते थे। एक बार ऐसे ही कन्हैयालाल पैदल मार्केट से आ रहे थे। पीछे से एक स्कूटर चला रही स्त्री , जिसके एक बच्चे ने पीछे अपना छोटा दो- पहिया साइकिल हाथ में पकड़ रखा था, वह सड़क किनारे चलते हुए उनसे टकरा गया। कन्हैयालाल नीचे गिर गये। फिर स्त्री थोड़ा-सा रुकी, बचाव समझ के जल्दी चलती बनी। उन्होंने फोन कर पड़ोस वालों को और पत्नी को बुलाया। उठने में दर्द कुछ देर बाद महसूस होने से किसी ने समीप एक्सरे करवाने की सलाह दी। इसमें पता चला कि कूल्हे की हड्डी में फ्रेक्चर हो गया है। बेटे को बताया तो विदेश बैठे बच्चे ने किसी बड़े मशहूर डॉक्टर के अस्पताल से ईलाज की सलाह दी। ऐसा ही हुआ। सात लाख के करीब बिल बना। कुछ सरकारी तो कुछ अपना लगा। जब उनसे पूछा गया कि जिसने टक्कर मारी, उससे कुछ नहीं कहोगे? उनका जवाब था-मैंने पता लगाने की ज़रूरत नहीं समझी। मेरे कर्म में यही लिखा था। कोई बुरा कर्म कट गया।
कहते हैं -जान बच्ची तो लाखों पाए। लोकल बरह रही बेटियों ने खूब सेवा की। बेटे को भी बाहर से पूछने आना पड़ा। चाहे कुछ भी हो, सन्तोष सबसे बड़ा धन है। ऐसे ही एक अन्य घटना याद आती है। जब एक अन्य सेक्टर में एक सेवानिवृत्त इंजीनियर सुबह अपनी लड़की के साथ सैर कर रहा था। एक काम करने वाली लड़की ने ध्यान कहीं ओर होने से, पीछे से साइकिल से टक्कर मार दी। उसका पता नोट किया। फिर अस्पताल में लाखों का बिल बना, जो सरकार से मिल जाना था। उस गरीब काम वाली लड़की की कुछ दिन बाद शादी भी थीं। तब उससे कम से कम एक लाख वसूल कर चैन पड़ा। सबके मन में पैसे के प्रति भावना एक जैसी नहीं होती ।

कुछ हटकर

बैचलर ऑफ डिजाइन इन इंटीरियर में बनाएं करियर

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ डिजाइन इन इंटीरियर डिजाइन (बी.डिजाइन इंटीरियर डिजाइन) चार वर्षीय रचनात्मक एवं व्यावसायिक स्नातक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को आंतरिक स्थानों (**Interior Spaces**) की सौंदर्यात्मक, कार्यात्मक और तकनीकी डिजाइनिंग की गहन समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः स्पेस प्लानिंग, फर्नीचर डिजाइन, इंटीरियर मटेरियल्स, लाइटिंग डिजाइन, कलर थ्योरी, बिल्डिंग सर्विसेज, 3D विजुअलाइजेशन, ऑटोCAD, सस्टेनेबल डिजाइन, वास्तु तत्व, इंटीरियर स्टाइलिंग और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है।

उद्योगों में महत्व

इन विषयों का वास्तविक जीवन और उद्योगों में अत्यधिक महत्व है। आधुनिक घरों, कार्यालयों, होटल्स, मॉल्स, हॉस्पिटल्स में सौंदर्य, सुविधा और उपयोगिता का संतुलन इंटीरियर डिजाइनिंग के माध्यम से ही संभव होता है।

विशेषज्ञताएं

- रेजिडेंशियल इंटीरियर डिजाइन
- कमर्शियल एवं ऑफिस स्पेस डिजाइन
- फर्नीचर एवं प्रोडक्ट डिजाइन
- लाइटिंग डिजाइन
- एक्सहिबिशन एवं सेट डिजाइन
- हॉस्पिटैलिटी एवं होटल
- इंटीरियर डिजाइन
- सस्टेनेबल एवं ग्रीन इंटीरियर डिजाइन
- 3D विजुअलाइजेशन एवं रेंडरिंग
- रिटेल एवं शोरूम डिजाइन
- लैंडस्केप एवं स्पेस स्टाइलिंग
- लक्ज़री इंटीरियर डिजाइन

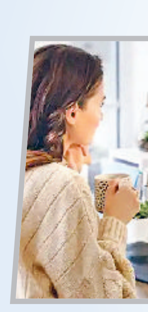

आवश्यक कौशल

सिर्फ डिग्री ही नहीं, बल्कि रचनात्मक दृष्टिकोण, तकनीकी डिजाइनिंग कौशल और व्यावहारिक अनुभव ही इंटीरियर डिजाइन उद्योग में सफलता का आधार बनते हैं। आज का इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजाइन उद्योग सौंदर्य, कार्यक्षमता और आधुनिक तकनीक के संतुलन पर आधारित है।

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- सार्वजनिक निर्माण एवं इंफ्रास्ट्रक्चर विभाग
- स्मार्ट सिटी एवं सरकारी भवन परियोजनाएँ
- सार्वजनिक भवन डिजाइन एवं स्पेस प्लानिंग सहयोगी

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):

- फ्रेशर: लगभग ₹3.5–₹7.0 लाख वार्षिक (विभाग एवं पदानुसार)
- अनुभवी/वरिष्ठ: लगभग ₹8–₹18 लाख वार्षिक; विभिन्न सरकारी परियोजनाओं एवं परामर्श भूमिकाओं में अतिरिक्त अवसर उपलब्ध

निजी क्षेत्र में विकल्प

इंटीरियर डिजाइन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर उद्योग आज तेजी से विकसित होने वाले क्षेत्रों में से एक है। रियल एस्टेट कंपनियाँ, आर्किटेक्चर फर्म्स, डिजाइन स्टूडियो, होटल उद्योग और लक्ज़री ब्रांड्स ऐसे प्रोफेशनल्स की तलाश में रहते हैं जो रचनात्मकता और तकनीकी दक्षता के साथ आधुनिक स्पेस विकसित कर सकें।

उच्च अध्ययन के विकल्प

- मास्टर ऑफ डिजाइन – इंटीरियर एवं स्पेस डिजाइन
- एम.बी.ए. इन डिजाइन मैनेजमेंट
- फर्नीचर एवं प्रोडक्ट डिजाइन में विशेषज्ञता
- सस्टेनेबल एवं ग्रीन बिल्डिंग डिजाइन कार्यक्रम

अधिक जानकारी के लिए **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग को लेकर महामंथन

गाय केवल पशु नहीं, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़: स्वामी रामतीर्थ

बैठक में मुख्य मार्गदर्शक एवं प्रभारी के रूप में वृंदावन से पधारे सुप्रसिद्ध गोभक्त स्वामी रामतीर्थ महाराज ने शिरकत की।

■ गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलवाने को 20 करोड़ हस्ताक्षरों का महालक्ष्य: रामतीर्थ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। महामंथन बैठक में स्वामी रामतीर्थ महाराज व अन्य। फोटो : हरिभूमि

गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने और गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलवाने की मांग को लेकर देशभर में गो सम्मान आह्वान अभियान गति पकड़ रहा है।

इसी कड़ी में रविवार को भिवानी में गोभक्तों की अत्यंत महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक बैठक हुई। बैठक में आगामी 27 जुलाई को होने वाले राष्ट्रव्यापी महाहस्ताक्षर अभियान की रूपरेखा तैयार की। बैठक में मुख्य मार्गदर्शक एवं प्रभारी के रूप में वृंदावन से पधारे सुप्रसिद्ध गोभक्त स्वामी रामतीर्थ महाराज ने शिरकत की। चित्रकूट पहुंचने पर विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष प्रदीप बंसल, श्रीगोशाला ट्रस्ट के सदस्य नंदकिशोर अग्रवाल, गोभक्त गोपाल देवसर, कैलाश लोहानी, रामनिवास मिताथल, गौरक्षा दल के प्रधान संजय परमार व प्राचार्य डीपी कौशिक आदि ने स्वामी रामतीर्थ का भव्य स्वागत किया। बैठक में गोभक्तों को संबोधित करते हुए स्वामी रामतीर्थ महाराज ने कहा कि गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। श्रीसनातन धर्म में गाय को माता का दर्जा दिया गया है, इसलिए ये समय की मांग है कि उन्हें राष्ट्रमाता के रूप में संवैधानिक सम्मान मिले और देश की धरती पर गौहत्या पूरी तरह से बंद हो। स्वामी ने कहा कि आगामी 27 जुलाई को देश के कोने-कोने में व्यापक स्तर पर महा हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। इसके माध्यम से करोड़ों लोगों की आवाज को सरकार तक सकारात्मक रूप से पहुंचाया जाएगा। उन्होंने भिवानी के गौभक्तों से अभियान को धरातल पर ले जाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि गत 27 अप्रैल को देशभर की लगभग पांच हजार तहसीलों में एक साथ हस्ताक्षर अभियान चलाया गया था, जिसमें देश के सवा पांच करोड़ सजग नागरिकों ने बढ़-चढ़कर अपनी सहमति दी थी। इस बार अभियान की गूंज और व्यापक होने वाली है। संतों एवं संगठन के नेतृत्व में 27 जुलाई महा हस्ताक्षर अभियान के लिए 20 करोड़ हस्ताक्षरों का विशाल लक्ष्य तय किया है। स्वामी रामतीर्थ के मार्गदर्शन में वे तहसील के हर गांव, हर वार्ड और हर घर तक पहुंचेंगे।

योगासन में युवाओं और सीनियर वर्ग ने बिखेरा प्रतिभा का जलवा

■ 10 से 18 वर्ष (बालिका वर्ग) में मानवी तो बालक वर्ग में जतिन रहे प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय मिनी बाईपास क्षेत्र स्थित योगासन खेल केंद्र भिवानी योग स्टूडियो में रविवार को भिवानी ब्लॉक स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन आयुष विभाग, खेल विभाग, शिक्षा विभाग और जिला योगासन खेल संघ के संयुक्त तत्वावधान व दिशा-निर्देशन में संपन्न हुआ। यह पूरी प्रतियोगिता जिला योगासन खेल संघ की ओर से योग कोच भानु वर्मा और योग सहायक बंटी मेघवाल के बेहतरीन तकनीकी मार्गदर्शन में पारदर्शी और सुचारू रूप से संपन्न हुई। वहीं, आयुष विभाग की ओर से अनिल कुमार, सुनील और श्रीकांत ने विशेष रूप से पहुंचकर प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाया और उनके कौशल की सराहना की।

जिला योगासन खेल संघ के महासचिव व एनआईएस कोच सुरेश जांगड़ा ने बताया कि योग अब केवल एक साधना नहीं, बल्कि एक वैश्विक खेल का रूप ले चुका है। प्रतियोगिता में 10 से 18 वर्ष आयु वर्ग के सब-जूनियर और जूनियर खिलाड़ियों के साथ-साथ 18 से 55 वर्ष आयु वर्ग में सीनियर और अनुभवी योग साधकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि 10 से 18 वर्ष (बालिका वर्ग) में मानवी प्रथम, यश कुमारी द्वितीय व इशिका तृतीय रही। 10 से 18 वर्ष (बालक वर्ग) में जतिन प्रथम, पार्थ द्वितीय तथा शुभम तृतीय रहा। 18 से 55 वर्ष (पुरुष वर्ग) में इरफान प्रथम, दीपक जांगड़ा द्वितीय व पारस तृतीय रहा तथा 18 से 55 वर्ष (महिला वर्ग) में महक प्रथम, प्रियंका द्वितीय व इशा तृतीय रहे। अतिथियों ने कहा कि भिवानी के इन योगियों की प्रतिभा यह साबित करती है कि आने वाले समय में यहाँ के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले व राज्य का नाम रोशन करेंगे।

साधा शरीर का गजब संतुलन

भिवानी। सरकार के निर्देशानुसार 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर हरियाणा योग आयोग द्वारा डीसी साहिल गुप्ता मार्गदर्शन में जिला में खंड स्तरीय योग आसन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों ने योगासन में शरीर का गजब संतुलन साधा। प्रतियोगिता आयुष विभाग के अधिकारी डॉ रश्मि शर्मा , जिला योग कॉर्डिनेटर डॉ संजय वैद, योग विशेषज्ञा डॉ निशा खट्टर के सानिध्य में खंड स्तरीय योग आसन प्रतियोगिता करवाई गई। आयुष विभाग से जिला योग कोऑर्डिनेटर डॉ संजय वैद ने जानकारी देते हुए बताया कि खंड स्तरीय प्रतियोगिता के अंतर्गत बवानी खेड़ा के गांव कुंगड़ के हिंदू हाई स्कूल प्रांगण में आयोजित हुई, जिसमें 55 बच्चों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में मुख्य कोच के रूप में भूमिका आयुष विभाग के आयुष योग सहायक गजानंद कौशिक एवं मनोज आर्य सहित निहाल सिंह, अजय गोयत व अंकित ने निभाई। प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित की गई, इसमें लड़कियों की 10 से 18 आयु वर्ग में प्रथम मुस्कान पुत्री बिजेंद्र, द्वितीय रक्षिता पुत्री रमेश शर्मा, तृतीय संयुक्त स्थान साक्षी पुत्री सुभाष एवं तनीषा पुत्री विकास का रहा।

समाज के लिए समय देने वाले बिरले ही लोग : यशपाल मलिक

बाढड़ा। क्षेत्र के सामाजिक व्यक्तित्व के धनी स्वर्गीय शीशराम नंबरदार के निधन पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों एवं गणमान्य लोगों ने उनके निवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। इस दौरान दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई तथा शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया गया। इस अवसर पर पूर्व जाट संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल मलिक तथा छोटूराम धाम जसिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रताप सिंह दहिया ने कहा कि वर्तमान समय में समाज को सामाजिक भाईचारे और आपसी एकता की सबसे अधिक आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शीशराम नंबरदार सामाजिक सरोकारों से जुड़े हुए व्यक्ति थे और समाज में उनकी विशेष पहचान थी। उनके निधन से समाज को अपूरणीय क्षति पहुंची है। जाट सेवा संघ प्रदेशाध्यक गंगाराम श्योराण ने कहा कि दिवंगत शीशराम नंबरदार ने अपने जीवन में सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देने का कार्य किया और हमेशा लोगों को जोडने का प्रयास किया। उनके योगदान को लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

आपताकाल स्थिति में शिविर में 40 युवाओं ने रक्तदान कर कमाया पुण्य

भिवानी। चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल के ब्लड बैंक में सैनी कल्याण परिषद ने रविवार को रक्तदान शिविर लगाया। शिविर में 40 युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता के प्रति अपना फर्ज निभाया। शिविर में सिविल सर्जन डॉ. रघुवीर शांडिल्य ने बतौर मुख्यतिथि शिरकत की तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर डॉ. रोहित पहुंचे। उन्होंने रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया और उनके जज्बे को सलाम कर हौसला बढ़ाया। शिविर की अध्यक्षता परिषद के उपप्रधान ओमप्रकाश सैनी ने की। अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्त का भारी अभाव चल रहा है, जिससे मरीजों को दिक्कतें आ रही थी। आपात स्थिति को देखते हुए परिषद ने बिना समय गंवाए तुरंत रक्तदान शिविर की रूपरेखा तैयार की और 40 यूनिट रक्त एकत्रित कर अस्पताल के ब्लड बैंक को रिचार्ज करने का सराहनीय कार्य किया। सीएमओ डॉ. शांडिल्य ने युवाओं के इस प्रयास को खूब सराहा। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे बीड़ी, सिगरेट, गुटखा और तंबाकू जैसी घातक आदतें कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का कारण बनती हैं, इसलिए नशे से खुद को दूर रखें और दूसरों को भी जागरूक करें।

आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

भिवानी। स्वामी नित्यानंद महाराज की तपोभूमि जटेला धाम आश्रम में पीठाधीश्वर महंत राजेंद्रदास महाराज के परम सानिध्य में पूर्णिमा महोत्सव में आरएसएस राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य, वरिष्ठ प्रचारक एवं विश्व हिन्दू परिषद् के संरक्षक बड़े दिनेश ने बतौर मुख्यतिथि शिरकत की। वरिष्ठ प्रचारक दिनेश ने आश्रम से माजरा मंडी तक बनने वाली सड़क का उद्घाटन किया और पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि तपोभूमि धाम आश्रम स्वामी नित्यानंद महाराज की तपोस्थली है।

आश्रम द्वारा देशभर में अध्यात्म योग आयुर्वेद चिकित्सा के साथ ही पर्यावरण संरक्षण की अलख जगाई जा रही है, जो बहुत ही सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि हमारा धर्म एवं संस्कृति विश्व में सर्वश्रेष्ठ है, हमें अपने राष्ट्र, श्रीसनातन एवं संस्कृति पर पूर्णतया गर्व करना चाहिए। महंत राजेंद्र दास ने कहा कि हमें प्रकृति से मैत्रीपूर्ण भाव रखना चाहिए, हमें अपने संसाधनों का सदुपयोग करना चाहिए और पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है।

ब्रह्मावत्सों ने पीस माई नेचर को लेकर निकाली आध्यात्म शांति यात्रा

भिवानी। ओम शांति रिट्रीट सेंटर दिल्ली जोन द्वारा चलाए जा रहे पीस माई नेचर के तहत हुडा पार्क में प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की शाखा गौशाला मार्केट व सिद्धि धाम ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में राजयोगिनी बीके कीर्ति बहन व राजयोगिनी बीके सुमित्रा बहन ने सभी आत्माओं को शांति का संदेश देते हुए कहा कि आत्म शांति अपने अंदर के विचारों को सकारात्मक बनाने से ही आएगी। राजयोगिनी बीके कीर्ति व बीके सुमित्रा ने कहा कि शांति सरलता से आएगी। सरलता स्वयं, परमात्मा व प्रकृति के सौंदर्य को जानने से आती है। हमें आपस में मिलकर शांति का प्रचार प्रसार करना हैं और विश्व में शांति का दान देकर प्रतिज्ञा करवाएं कि हम हररोज 5 मिनट विश्व को शांति का दान देंगे। उन्होंने कहा कि हमें झंडे व संदेश पट्टी लेकर मोन के साथ शांति यात्रा निकालकर जन-जन को शांति और मोन के महत्व बारे में समझाना हैं। इस मौके पर बीके आरती, श्वेता, पूनम, द्रोपदी, मीनाक्षी, शारदा, सुनीता,राज, संतोष, कल्पना, सुशील, भीमसिंह चौहान, हिंदराज, राजेन्द्र, सुनील, मनोज व धर्मवीर सहित अनेक ब्रह्मावत्स उपस्थित रहे।

बाढ़ड़ा से करोड़ों का राजस्व, फिर भी मिनी सचिवालय अधूरा

बाढड़ा। जननायक जनता पार्टी के हल्का अध्यक्ष विजय श्योराण काकड़ोली ने बाढड़ा उपमंडल मुख्यालय पर निर्माणाधीन मिनी सचिवालय का कार्य लंबे समय से अधूरा पड़े होने पर सरकार को घेरते हुए कहा कि यह परियोजना तत्कालीन विधायक नैना सिंह चौटाला के प्रयासों से शुरू हुई थी, जिसके लिए 18 करोड़ की राशि जारी हुई थी। लेकिन आज महज लगभग 1.5 करोड़ रुपये की राशि के अभाव में अधूरी पड़ी है। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस बाढड़ा क्षेत्र से माइनिंग और स्टांप ड्यूटी के माध्यम से सरकार को हर वर्ष करोड़ों रुपये का राजस्व प्राप्त होता है लेकिन आज उसी क्षेत्र के विकास कार्यों की लगातार अनदेखी की जा रही है। पिछले एक वर्ष से इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए बजट जारी न होना क्षेत्र की जनता के साथ सीधा भेदभाव है। जजपा अध्यक्ष विजय श्योराण ने कहा कि मिनी सचिवालय अधूरा होने के कारण आम लोगों को छोटी-छोटी सरकारी सेवाओं के लिए भटकना पड़ रहा है, जिससे जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही प्रशासनिक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने सरकार से सवाल करते हुए कहा कि जब बाढड़ा क्षेत्र सरकार को इतना अधिक राजस्व देता है, तो फिर मात्र 1.5 करोड़ रुपये जैसी छोटी राशि जारी करने में आखिर देरी क्यों की जा रही है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि सरकार तुरंत प्रभाव से आवश्यक धनराशि जारी कर मिनी सचिवालय का निर्माण कार्य पूरा करवाए।

गांव इमलोटा की बेटी जैसमीन ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

गांव इमलोटा की होनहार बेटी जैसमीन पुत्री जीवन सिंह ने अपनी मेहनत, लगन और देशसेवा के जज्बे से पूरे क्षेत्र, प्रदेश और देश का नाम गौरवान्वित किया है। यह बात विधायक सुनील सांगवान ने गांव इमलोटा पहुंचकर जैसमीन को सम्मानित करते हुए कही।

विधायक सुनील सांगवान ने बताया कि जैसमीन का चयन वर्ष 2022 में एनडीए के प्रथम महिला बैच में हुआ था, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। उन्होंने कठिन प्रशिक्षण और अथक परिश्रम के बल पर एनडीए की ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूर्ण की। इसके बाद उन्होंने इंडियन नेवल एकेडमी केरल में एक वर्ष का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया और अब सफलतापूर्वक पास आउट होकर देशसेवा के गौरवपूर्ण पथ पर अग्रसर हुई हैं। सुनील सांगवान ने कहा कि जैसमीन की यह उपलब्धि केवल उनके परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि गांव इमलोटा, चरखी दादरी जिले और पूरे हरियाणा प्रदेश के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। उन्होंने कहा कि जैसमीन ने यह साबित कर दिया है कि हमारी बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उचित अवसर और दृढ़ संकल्प के साथ वे देश की रक्षा और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

12 से 14 जून तक होगा जिला चैंपियनशिप का आयोजन

चरखी दादरी। जिला चरखी दादरी बैडमिंटन एसोसिएशन की बैठक रविवार को दादरी पब्लिक स्कूल परिसर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन संरक्षक एचसी गोदारा ने की। आगामी 12, 13 व 14 जून को आयोजित होने वाली 10वीं जिला स्तरीय बैडमिंटन चैंपियनशिप की तैयारियों और खिलाड़ियों के चयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। एसोसिएशन प्रधान पंकज जैन ने बताया कि जिला स्तरीय प्रतियोगिता के माध्यम से वर्षों से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें बेहतर मंच उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। आयोजित होने वाली प्रतियोगिता एसोसिएशन की 10वीं बड़ी चैंपियनशिप होगी, जिसमें जिले के ग्रामीण, शहरी और कस्बाई क्षेत्रों से बड़ी संख्या में खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा, जो आगे चलकर दादरी जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। महासचिव लोकेश गुप्ता ने कहा कि पूर्व में आयोजित प्रतियोगिताओं से कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी उभरकर सामने आए हैं।

खत्री समाज अरोड़ वंश बनाएगा समाज के नाम से कॉलेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

खत्री समाज अरोड़ वंश द्वारा महाराजा अरूट की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई। इस मौके पर प्रतिभा सम्मान समारोह का भी आयोजन किया, जिसमे बोर्ड की कक्षाओं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले छात्र छात्राओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में देश सेवा में लगे खत्री समाज के फौज के अधिकारी, पुलिस के जवानों, शिक्षक वर्ग व प्राचार्यों को भी सम्मानित किया। बच्चो ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस मौके पर पूर्व वीसी डॉ. मार्कण्डेय आहुजा व उच्चतर शिक्षा के वाइस चेयरमैन सुरेंद्र गक्कड़ मुख्यतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता अविनाश सरदाना ने की।

पूर्व खेल अधिकारी दर्शन कुमार मिढ़ा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा श्रीअरूट महाराज के जन्मोत्सव पर उनके जीवन पर प्रकाश डाला।

छपार स्थित बाबा गंगली दास मंदिर में जागरण एवं भंडारे का आयोजन

चरखी दादरी। गांव छपार स्थित बाबा गंगली दास मंदिर में शुक्ल पक्ष चतुर्दशी अवसर पर रात्रि जागरण हुआ। जिसमे भजन पार्टी एवं कलाकारों द्वारा बाबा की महिमा का गुणगान किया गया। इसके साथ ही पूर्णिमा के पावन अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में भारी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों और आसपास के गांवों से आए श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम की शुरुआत मंदिर के महंत भोला गिरी महाराज के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आयोजित भव्य हवन-यज्ञ के साथ हुआ । हवन में मुख्य यजमानों और भक्तों ने आहुतियां डालकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। धार्मिक मर्यादा और परंपरा का निर्वहन करते हुए महंत बाबा भोला गिरी महाराज ने स्वयं सभी कन्याओं के पैर दूध और जल से धोए। इसके बाद उन्होंने अपने हाथों से कन्याओं को भोजन कराया और उन्हें चुनरी व दक्षिणा भेंट कर आशीर्वाद लिया।

मात्र 12 हजार रुपये प्रति माह का बेहद कम वेतन दिया जा रहा, कैसे होगा गुजारा

कम्प्यूटर लैब अटेंडेंट्स का फूटा गुस्सा, 11 जून को शिक्षामंत्री आवास घेरने की दी चेतावनी

अल्प वेतन भी पूरे साल नहीं, बल्कि साढ़े 10 महीने ही मिलता है

■ 14 वर्षों से सेवा दे रहे कंप्यूटर लैब अटेंडेंट्स का मानदेय सिर्फ 12 हजार रुपये : प्रेमजीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। नेहरू पार्क में विरोधस्वरूप एकत्रित हुए कम्प्यूटर लैब अटेंडेंट्स। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा के सरकारी स्कूलों में सालों से सेवाएं दे रहे कम्प्यूटर लैब अटेंडेंट्स का धैर्य अब जवाब दे चुका है। अपनी लंबित मांगों व विभागीय अनदेखी से नाराज प्रदेशभर के कंप्यूटर लैब अटेंडेंट आगामी 11 जून को पानीपत स्थित शिक्षामंत्री के निवास का घेराव कर जोरदार विरोध प्रदर्शन करेंगे। ये ऐलान कम्प्यूटर लैब अटेंडेंट एसोसिएशन के प्रदेश प्रवक्ता प्रेमजीत संडवा ने नेहरू पार्क में बैठक को संबोधित करते हुए किया। प्रदेश प्रवक्ता प्रेमजीत ने सरकार पर सौतेले व्यवहार का आरोप लगाते हुए कहा कि कम्प्यूटर लैब अटेंडेंट 14 वर्षों से भी अधिक समय से हरियाणा के सरकारी स्कूलों में पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रहे हैं, इतने लंबे सेवाकाल के बावजूद उन्हें वर्तमान में मात्र 12 हजार रुपये प्रति माह का बेहद कम वेतन दिया जा रहा है। विडंबना ये है कि अल्प वेतन भी उन्हें पूरे साल का नहीं, बल्कि साढ़े 10 महीने का ही मिलता है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। मामले की गंभीरता को रेखांकित करते हुए प्रदेश संगठन सचिव नवीन ढांडा ने बताया कि वर्तमान सरकार द्वारा साल 2024 में हरियाणा सर्विस सिक्योरिटी एक्ट बनाया था, इस एक्ट का मुख्य उद्देश्य कच्चे कर्मियों को 58 साल की उम्र तक सेवा सुरक्षा का लाभ देना था। उन्होंने आवेदन पोर्टल की तारीख बढ़ाना, सेवा सुरक्षा, सम्मानजनक वेतन वृद्धि, पूरे 12 महीने का वेतन आदि मांगें उठाई। उन्होंने कहा कि 11 जून को होने वाले प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए संगठन ने पूरी ताकत झोंक दी है। कर्मियों ने सरकार को चेताया कि उनकी जायज मांगों को जल्द नहीं सुना तो आंदोलन और उग्र रूप धारण करेगा।

ये रहे मौजूद

इस घोषणा के दौरान प्रदेश संगठन सचिव नवीन ढांडा, योगेश भिवानी, सतपाल, सुनील, अशोक, राजेश, नरेश, सुमन, प्रवीन, नीतू, गनिता, उषा, मुकेश, प्रोमिला, कविता व मीनाक्षी आदि मौजूद रहे।

तकनीकी गड़बड़ी की वजह से सैकड़ों कर्मचारी आवेदन से वंचित रह गए: संदीप

जिला प्रधान संदीप ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि 14 साल से अधिक का अनुभव रखने के कारण कम्प्यूटर लैब अटेंडेंट सेवा सुरक्षा एक्ट के तहत सबसे पहले हकदार (पात्र) बनते हैं। सरकार ने बकायदा सर्विस सिक्योरिटी पोर्टल भी बनाया, जिस पर पात्र कर्मचारियों को आवेदन करना था। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की लापरवाही और पोर्टल की तकनीकी समस्याओं के चलते कंप्यूटर लैब अटेंडेंट्स के वन टाइम पासवर्ड ही जारी नहीं किए। इस तकनीकी गड़बड़ी की वजह से सैंकड़ों कर्मचारी आवेदन करने से वंचित रह गए।

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस, मिलकपुर में तनाव प्रबंधन पर दिया प्रशिक्षण

■ विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

मिलकपुर स्थित आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में सीबीएसई के तत्वावधान में "स्ट्रेस मैनेजमेंट (तनाव प्रबंधन) विषय पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को तनाव के प्रभावों, उसके कारणों तथा प्रभावी प्रबंधन की तकनीकों से अवगत कराना था। प्रशिक्षण का संचालन सीबीएसई प्रशिक्षक राजन कुमार शर्मा एवं आदित्य प्रताप सिंह द्वारा किया गया। दोनों विशेषज्ञों ने शिक्षकों को दैनिक जीवन एवं कार्यस्थल पर उत्पन्न होने वाले तनाव की पहचान, उसके दुष्प्रभावों तथा सकारात्मक सोच, समय प्रबंधन और मानसिक संतुलन बनाए रखने के प्रभावी उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रशिक्षण के दौरान आयोजित गतिविधियों एवं चर्चाओं में सक्रिय सहभागिता निभाई। प्रशिक्षकों ने बताया कि तनाव को सही ढंग से प्रबंधित करके न केवल व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बनाया जा सकता है, बल्कि शिक्षण कार्य की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार लाया जा सकता है। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक साहिल यादव, प्राचार्य नितीश मिश्र, उप-प्राचार्या गीता यादव, प्राइमरी हेड प्रोमिला यादव सहित समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।

महत्वपूर्ण भूमिका

विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के साथ-साथ उनके मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बवानीखेड़ा। आयोजित कार्यक्रम में जानकारी देते हुए।

हरिभूमि समाचार पत्र ने नए बस स्टैंड पर हस्ताक्षर अभियान चलाकर लोगों को दिया नशे से दूर रहने का संदेश

तम्बाकू ही नहीं, सभी तरह के नशे समाज को दीमक की तरह खोखला कर रहे: वक्ता

हरिभूमि के हस्ताक्षर अभियान के बाद नशा मिटाने के लिए जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान करते लोग तथा सुनील लेघा,कुलदीप बेनिवाल,अनिल शर्मा, राजेश मुखी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रविवार को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर नए बस स्टैंड पर हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप द्वारा अभियान चलाकर लोगों को तम्बाकू से होने वाले नुकसान के प्रति सचेत किया। बस अड्डे पर बड़ा बैनर लगाकर लोगों से नशा न करने तथा नशे के बचने के लिए लोगों को प्रेरित करने की शपथ दिलाई। शहर की वहां पर पहुंची जानी मानी हस्तियों ने लोगों को इस बुराई से बचने का आह्वान किया।

वक्ताओं का तर्क था कि तम्बाकू ही नहीं सभी तरह के नशे समाज को दीमक की तरह खोखले कर रहे है। अगर समय रहते हम सचेत नहीं हुए तो नशा रूपी अजगर स्वच्छ समाज को पूरी तरह से निगल जाएगा। इस दौरान शहर की जानी मानी हस्तियों ने विजिटर बुक में नशे से होने वाले नुकसान व लोगों को इस बुराई से बचने के प्रति अपने कॉमेंट भी दर्ज किए। वहीं शहर के मौजिज लोगों ने हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप द्वारा विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर इस तरह का अभियान चलाने के लिए आभार जताया और कहा कि एक समाचार पत्र की समाज के प्रति इस तरह की पहल करना एक बेहतरीन सराहनीय कदम है। वक्ताओं ने इस मुहिम के लिए हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप के चेयरमैन व अन्य पदाधिकारियों को बधाई दी और कहा कि भविष्य में इस तरह के अभियान चले तो एक स्वच्छ समाज की स्थापना आसानी से की जा सकती है।

- हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप के प्रयास से मिलेगी तम्बाकू निषेध अभियान को गति

नशे के खिलाफ बेहतरीन पहल : जैन

हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप द्वारा बेहतरीन पहल है। पिछले कुछ वर्षों से लोगों को तम्बाकू छुड़वाने के लिए प्रेरित करते आ रहे हैं। ग्रुप के पदाधिकारियों को बहुत बहुत साधुवाद। – सचिन वर्धमान जैन।

विश्व तम्बाकू दिवस पर आयोजित कार्यक्रम अति सराहनीय रहा। ऐसे कार्य करने से युवा पीढ़ी को नशे की गर्त में पड़ने से बचाया जा सकता है। –डॉ. पवन बुवानीवाला

ये जागरण अभियान हमेशा चलता रहे : अग्रवाल

धूम्रपान शरीर, स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए नुकसान दायक है। मेरा अनुरोध है कि धुम्रपान खुद भी न करें और दूसरो को भी इससे होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करे। हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप द्वारा की गई पहल के लिए हम उनका दिल की गहराइयों से धन्यवाद करते है। प्रेस जगह में ये जागरण अभियान हमेशा चलत रहे और लोगों को इस के प्रति जागरूक करें। –नरेश मीनू अग्रवाल।

जन जागरूक कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय कार्य : रिंकू

हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप द्वारा विश्व तम्बाकू दिवस पर जो जन जागरूक कार्यक्रम का आयोजन किया है। ये बहुत ही सराहनीय कार्य है और आज मुझे इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने का मौका मिला। इसके लिए मै हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप का तहेदिल से धन्यवाद करता हू। और पूरे समाज को भी यही संदेश देना चाहता हूं कि तम्बाकू स्वास्थ्य के साथ साथ अपने परिवार और समजा के लिए हानिकारक है और सभी से यही अनुरोध करूंगा कि अपने जीवन में कभी भी तम्बाकू का सेवन न करे और औरों को भी इससे बचने की सलाह दे। – रिंकू, नूर ज्वैलर्स भिवानी

तंबाकूः मानसिक एंव भावनात्मक रूप से हानिकारक

हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप ने एक ऐसा अभियान ही नहीं ,बल्कि मै यदि यह कहूं कि एक क्रांति कर रहा है, जो न केवल भारत वर्ष ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के मानव जाति के लिए वरदान है। वह अभियान है तम्बाकू से होने वाले विनाश से मानव जाति को बचाता है। तम्बाकू हर रूप से न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक एंव भावनात्मक रूप से हानिकारक है। –भवानी प्रताप सिंह चेयरपर्सन प्रतिनिधि भिवानी

धूम्रपान जानलेवा इससे बचकर रहना चाहिएः हरिराम

धूम्रपान जानलेवा होता है हमे इससे बच कर रहना चाहिए। धुम्रपान निषेध दिवस पर हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप के इस अभियान का धन्यवाद करता हू। इस व्यक्तिगत , सामाजिक बुराई के प्रति लोगों को जागरूक करने का इनका यह सराहनीय कदम है। इसके लिए हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप का आभार जताता हूं। –हरिराम स्वामी,विकास हाई स्कूल

तम्बाकू के साथ अन्य नशीले पदार्थ भी त्यागें : प्रिया

तम्बाकू का सेवन जीवन के लिए बहुत ही हानिकारक है। मै आज के युवाओं को बल्कि सभी से यही अपील करना चाहुंगी कि आज विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर तम्बाकू के साथ अन्य नशीले पदार्थ भी त्यागे। क्योकि तम्बाकू के सेवन करने वाले का जीवन ही नहीं बल्कि उस परिवार को आर्थिक नुकसान के साथ साथ मानसिक शांति भी खतम हो जाती है। हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप के इस अभियान की सराहना करते है। –प्रिया असीजा

कैंसर रोग का मूल कारण : गुप्ता

आज कैसर जो असाध्य रोग है। उसका मूल कारण तम्बाकू है। यदि हम तम्बाकू रहित समाज की सरचंना कर पाए तो बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप के इस सफल अभियान की हार्दिक शुभकामनाए। –शिवरतन गुप्ता अध्यक्ष वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट।

दुनिया में सबसे खतरनाक है धूम्रपानः गुलिया

दुनिया में सबसे खतरनाक धूम्रपान है इसका सेवन करने से लाखों लोग मर जाते है। इस बुराई से बचने के लिए जागरूकता अभियान चलाकर ही लोगों को जागरूक करके ही बचाया जा सकता है। उन्होंने हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप के इस अभियान का सराहना की और कहा कि इस अभियान का समाज में एक सकारात्मक संदेश जाएगा। – प्रदीप गुलिया जोगी प्रधान कांग्रेस भिवानी

तंबाकू का सेवन शरीर को सीधे ले जाता है कब्रिस्तान की ओर

धुम्रपान स्वास्थ्य के लिए बड़ा हानिकारक हे। मानव शरीर बड़ा सुंदर है,लेकिन तम्बाकू, धूम्रपान करना शरीर को सीधे कब्रिस्तान की ओर ले जाता है। आज भिवानी बस अड्डे हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप ने इस बुराई को मिटाने के लिए जो अभियान चलाया है। वह काबिलेतारिफ है। धुम्रपान से बचिए और जीवन को स्वास्थ्य बनाईये। -बृजलाल सर्राफ,भिवानी

इस अभियान के समाज को सकारात्मक परिणाम मिलेंगे

तम्बाकू ही नहीं, सभी तरह के नशे समाज को दीमक की तरह खोखला कर रहे है। खासकर युवा तबका इस नशे की जद में आ रहा है। इस बुराई को सभी लोगों में जागरूकता फैलाकर ही मिटाया जा सकता है। उन्होंने हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप की पहल का स्वागत किया और कहा कि इस तरह की पहल के समाज में सकारात्मक परिणाम आते है। - सतीश वैद्य,जीडी गोयनका स्कूल

कार्यक्रम अति सराहनीय

विश्व तम्बाकू दिवस पर हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप द्वारा नशा मुक्ति पर बस स्टैंड पर आयोजित यह कार्यक्रम अति सराहनीय है। जो बस स्टैंड पर आने व जाने वाले लोगों को नशे से दूर रहने के प्रति प्रेरित करता है। हरिभूमि के इस प्रयास की हम सराहना करते है। -रक्तवीर राजेश डुडेजा

मानव जाति के विकास में बाधक

तम्बाकू सेवन न केवल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है बल्कि समाज व मानव जाति के लिए विकास में भी बाधक है। हमे सब को मिलकर इस तरह के जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। ताकि इस बुराई को जड़मूल से खतम किया जा सके। - मोहिदंर सिंह, प्राचार्य, पालूवास पीएम श्री स्कूल

भावी पीढ़ी को सजग करने के लिए शत्-शत् नमन

आज विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप के हस्ताक्ष अभियान में उपस्थिति दर्ज करवाने का अवसर मिला। उक्त समाचार पत्र हर वर्ष इस तरह का अभियान चला रहा है। जो कि अति सराहनीय कार्य है। हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप के इस तरह के अभियान का समाज में जागृति लाने में महत्वपूर्ण प्रभाव दिख रहा है। मानव जीवन को स्वस्थ्य रखने व भावी पीढी को सजग करने के लिए मै इस समाचार पत्र को शत शत नमन करता हूं। - दीवान चंद रहेजा, राज्य पुरस्कार विजेता।

रोडवेज यूनियन प्रधान नरेंद्र

डॉ. कुलदीप सिंह ढिल्लो

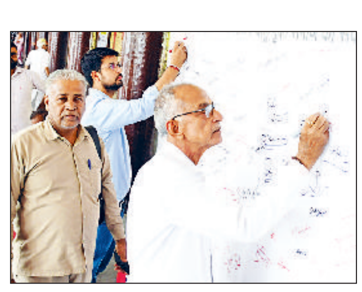

देवराज मेहता

बस अड्डे पर हस्ताक्षर करते यात्री

धूम्रपान जिसका अंत मौत है

आज के युवा इसको फैशन के तौर पर शुरू करते है। धूम्रपान करना सामाजिक व आर्थिक प्रतिष्ठा को धूमिल कर जीवन को उस अवस्था की ओर ले जाता है । जिसका अंत मौत। हम हरिभूमि समाचार पत्र ग्रुप के इस प्रयास की सराहना करते है और युवाओं से आहवान करते है कि इस बुराई से खुद भी बचे और दूसरों को भी इससे बचने की सलाह दे। साथ ही लोगों को इस बुराई से होने वाले नुकसान से भी अवगत करवाया जाए ताकि इस बुराई को जड़मूल से खतम किया जा सके। - डा. राजेश श्योराण।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर युवाओं में जगाई नशामुक्ति जागरूकता की अलख, ली शपथ

- परिवार की खुशियों एवं समाज की प्रगति को दीमक की तरह खत्म करता नशा : प्रदीप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर रविवार को रैडक्रॉस भवन में नशामुक्ति जागरूकता संदेश कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में शहरी व ग्रामीण युवाओं को सामाजिक पुनरुत्थान एवं राष्ट्र निर्माण की नई दिशा दिखाई।

कार्यक्रम न केवल तंबाकू के दुष्प्रभावों को उजागर करने का माध्यम बना, बल्कि इसने समाज को समग्र रूप से स्वस्थ और सशक्त बनाने की दिशा में एक सामूहिक जन-आंदोलन का रूप ले लिया।

लोगों को तम्बाकू छोड़ने की दी सलाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर शिविर आयोजित, लोगों को दी तंबाकू छोड़ने की दवा व सलाह। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर 31 मई को नोबल सर्गो फाउंडेशन आफ़ इंडिया द्वारा सांगवान हेल्थ केयर सेंटर, बहल में एक विशेष स्वास्थ्य एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य लोगों को तंबाकू और धूम्रपान के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उन्हें इस जानलेवा लत से मुक्ति दिलाना था। शिविर में मुख्य चिकित्सक डॉ. सुरेंद्र सांगवान ने पहुंचे हुए रोगियों की बारीकी से जांच की। उन्होंने उपस्थित लोगों को परामर्श देते हुए बताया कि तंबाकू और धूम्रपान का सेवन कैंसर, हृदय रोग और फेफड़ों की गंभीर बीमारियों का मुख्य कारण है। डॉ. सांगवान ने युवाओं और ग्रामीणों से तंबाकू मुक्त जीवन जीने का आह्वान किया।

बहल। आयोजित शिविर में तम्बाकू से होने वाले नुकसान की जानकारी देते हुए।

नशा नाश की जड़, अपराध रोकने को इस पर अंकुश लगाना जरूरी: एसएचओ जरनैल

हनुमान जोहड़ी मंदिर में युवाओं ने ली तंबाकू से दूर रहने की शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर रविवार को हनुमान जोहड़ी मंदिर परिसर में नशामुक्त जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को नशे की गर्त से बाहर निकालकर समाज एवं राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ना था। कार्यक्रम मंदिर के महंत बालयोगी चरणदास महाराज के सान्निध्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रूप में सिटी थाना एसएचओ जरनैल सिंह ने शिरकत की, जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर श्रीकृष्ण कृपा जियो गीता के जिलाध्यक्ष नरेश आहूजा उपस्थित रहे।

इस दौरान अतिथियों ने सैंकड़ों युवाओं को जीवन में कभी भी तंबाकू व अन्य नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करने की भावुक व दृढ़ शपथ दिलाई। महंत चरणदास महाराज ने कहा कि हमारा शरीर पवित्र मंदिर की तरह है और नशा इसमें जहर घोलने का काम करता है। तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थ न केवल मनुष्य की चेतना को नष्ट करते हैं, बल्कि उसके आध्यात्मिक और सामाजिक जीवन को भी अंधकार में धकेल देते हैं। हमारी युवा शक्ति अपनी ऊर्जा को नशे जैसी बुराई में बर्बाद करने के बजाय राष्ट्र और धर्म के उत्थान में लगाए। सिटी थाना एसएचओ जरनैल सिंह ने कहा कि कानून और पुलिस व्यवस्था अपराध को रोकने का काम करती है, लेकिन अपराध और सामाजिक बुराइयों की जड़ नशा है, जब युवा नशे की लत में पड़ता है, तो वह न केवल अपना भविष्य बर्बाद करता है बल्कि अपने परिवार को भी कानूनी और मानसिक संकट में डाल देता है।

भिवानी। युवाओं को नशे से दूर रहने की शपथ दिलवाते महंत चरणदास व एसएचओ जरनैल सिंह। फोटो : हरिभूमि

1 आध्यात्मिक एवं सामाजिक जीवन को अंधकार में धकेलती नशे की लतः चरणदास

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर एसआई बिजेंद्र कुमार, आरआईसीटी के प्रबंधक संजय कामरा, हैड कांस्टेबल उमेश, कृष्ण स्वामी, राजीव मित्तल, संजय मित्तल, सुशील गुप्ता, सुनील गर्ग, विवेक गोयल, घनश्याम शर्मा, सीताराम, योगाचार्य विक्रम सिंह, योगाचार्य आशुतोष व दीपक जांगड़ा आदि मौजूद रहे।